भाकृअनुप - राष्ट्रीय याक अनुसंधान संस्थान द्वारा हिंदी दिवस - २०२१ का आयोजन

भाकृअनुप-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र के हिंदी विभाग द्वारा 14 सितंबर, 2021 को अपराह्न 3:00 बजे हिंदी दिवस - 2021 का आयोजन किया गया। समारोह के प्रारंभ में, डॉ. अनीत कौर, वैज्ञानिक-सह-प्रभारी हिंदी विभाग ने संस्थान के सभी कर्मचारियों को बधाई दी तथा हिंदी की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला। डॉ. कौर ने बताया कि हिंदी एक ऐसा माध्यम है जिसने पूरे देश और विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश को एक अनूठे बंधन में बांधे रखा है। साथ ही, संस्थान के निर्देशक डॉ. मिहिर सरकार का हिंदी विभाग के लिए दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए डॉ. कौर ने बताया कि उनका उद्देश्य हिंदी में पढ़ने और लिखने के कौशल में सुधार लाना है।उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी लोगों को राजभाषा शपथ भी दिलाई। इसके बाद, हिंदी के महत्व और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा के रूप में इसकी एकीकृत भूमिका पर चर्चा की गई। उच्च श्रेणी लिपिक, श्री गौतम चटर्जी ने हिंदी दिवस के ऐतिहासिक महत्व की एक झलक दी और हिंदी की सहजता और विनम्रता के बारे में बताया। तत्पश्चात संस्थान के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एन. खोचिलु ने प्रशासनिक एवं सरकारी कार्यों में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने पर बल दिया। उन्होंने हिंदी में फोल्डर, लेख आदि सहित प्रकाशनों की सुविधा के लिए संस्थान के हिंदी विभाग को भी बधाई दी। इसके पश्चात, प्रभारी निदेशक डॉ. विजय पॉल ने सभा को संबोधित किया और सभी को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर शुभकामनाएँ दी। उन्होंने हिंदी के सही उपयोग पर ज़ोर दिया और भाषा को उसके शुद्धतम रूप में सीखने की वकालत की। हमारे संस्थान के लिए हिंदी की महत्वता को दर्शाते हुए उन्होंने बताया कि याक चरवाहों के साथ संवाद करने और उन्हें जानकारी प्रदान करने का एकमात्र माध्यम हिंदी ही है। उन्होंने रेखांकित किया कि हिंदी दिवस मनाने का सार राष्ट्र निर्माण में हिंदी के योगदान का सम्मान करना और भाषा को आगे बढ़ाने और मजबूत करने का संकल्प लेना है। अंत में, श्रीमती मुदांग यापा, सदस्य हिंदी विभाग, के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।